Obituary References

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, अत्यंत दुःख के साथ मुझे सभा को अपने एक पूर्व साथी के निधन के बारे में सूचित करना है ।

श्री पी.एम. सुब्बा सिक्किम के सिक्किम संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 7 वीं लोक सभा के सदस्य थे ।

श्री पी.एम. सुब्बा का निधन 86 वर्ष की आयु में 27 जून, 2024 को गंगटोक, सिक्किम में हुआ ।

माननीय सदस्यगण, दिनांक 19 मई, 2024 को हुई एक दुःखद दुर्घटना में, इस्लामी ईरान गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम डॉ. सैयद इब्राहिम रईसी और उनके साथ विदेश मंत्री, डॉ. होसैन अमीर अब्दुल्लाहियान तथा अन्य ईरानी पदाधिकारियों का निधन हो गया ।

यह सभा इस दुर्भाग्यपूर्ण हेलीकॉप्टर दुर्घटना में इस्लामी गणराज्य ईरान के राष्ट्रपति महामहिम डॉ. सैयद इब्राहिम रईसी; विदेश मंत्री डॉ. होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियान तथा अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के निधन पर ईरान की सरकार और वहाँ की जनता के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है ।

माननीय सदस्यगण, मुझे यह सूचित करना है कि तंजानिया संयुक्त गणराज्य के द्वितीय राष्ट्रपति महामहिम अज्हल अली हसन म्वीन्यी का 29 फरवरी, 2024 को दार-एस-सलाम, तंजानिया में निधन हो गया । राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने दो बार भारत की यात्रा की तथा भारत और तंजानिया के मध्य घनिष्ठ संबंध स्थापित करने के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया है ।

यह सभा तंजानिया संयुक्त गणराज्य की सरकार और वहाँ की जनता के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है ।

माननीय सदस्यगण, मुझे सभा को मलावी गणराज्य के उप-राष्ट्रपति महामहिम डा. सॉलोस क्लाउस चिलिमा के निधन के बारे में सूचित करना है । डा. सॉलोस क्लाउस चिलिमा एक अर्थशास्त्री थे, जिन्होंने दो बार मलावी के उप-राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया । यह सभा मलावी की सरकार और वहाँ की जनता के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है ।

माननीय सदस्यगण, 23 जून का दिन आतंकवाद के इतिहास में सबसे काले दिन के रूप में याद किया जाएगा । इस दिन टोरंटो और वैंकूवर से उड़ान भरने वाले एयर इंडिया के दो विमानों को आतंकवादियों द्वारा निशाना बनाया गया था । आयरलैंड में एआई 182 'कनिष्क' में विस्फोट के कारण 329 निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवाई थीं, जबकि जापान में ऐसी ही एक और बड़ी तबाही टल गयी थी, लेकिन, इसमें भी दो अन्य लोगों की मृत्यु हो गई । ये घटनाएं इस बात का स्मरण कराती हैं कि विश्व को आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ के प्रति शून्य सहिष्णुता क्यों बरतनी चाहिए । इसे किसी भी प्रकार से क्षमा नहीं किया जा सकता है, ना ही न्यायोचित ठहराया जा सकता है ।

अब यह सभा दिवंगत आत्माओं की स्मृति में कुछ देर मौन रहेगी ।

11.04 hrs

The Members then stood in silence for a short while.

माननीय अध्यक्ष **:** ओम शांति:, शांति:, शांति: ।

_____

11.05 hrs